सांध्य दैनिक
4PM

अगर आप अपनी जिंदगी से प्यार करते हैं तो वक्त मत बर्बाद करें, क्योंकि वो वक्त ही है जिससे जिंदगी बनी होती है।

-ब्रूश ली

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 217 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, बुधवार, 13 सितम्बर, 2023

लंका फतह कर भारत पहुंचा... 7 | एक चेहरे के ईदगिर्द ही घूमेगा... 3 | सरकार की लापरवाही भुगत रही... 2

आजम खां के ठिकानों पर छापेमारी से उत्तर प्रदेश की सियासत में घमासान

विपक्ष बोला- घोसी उपचुनाव की हार से बौखला गई मोदी सरकार

- » रामपुर के घर में ईडी और आयकर विभाग का छापा
- » मप्र में भी रेड की कार्रवाई, सपा ने भाजपा को घेरा
- » जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ा है मामला

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर में आजम खां के घर पर ईडी और आयकर विभाग की छापेमारी के बाद से यूपी समेत पूरे देश के सियासत में उबाल आ गया है। इस छापे के बाद से प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा ने भाजपा की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने इसे इंडिया गठबंधन का डर बताया है। सियासी गलियारे में यह तक चर्चा हो रही है कि घोसी उपचुनाव में हार की वजह से भाजपा बौखला गई है जिसकी वजह से वह विपक्षी नेताओं के यहां रेड करवा रही है। दरअसल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री आजम खां के रामपुर स्थित आवास पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आयकर विभाग ने छापा मारा है।

दोनों विभागों की टीमें दिन निकलते ही उनके आवास पर पहुंच गई और घर को चारों ओर से घेरने के बाद जांच शुरू कर दी। आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी लखनऊ, मेरठ, रामपुर और गाजियाबाद समेत आजम खां के 30 ठिकानों पर चल रही है। सूत्रों के मुताबिक मध्य प्रदेश में भी आजम खान के ठिकानों पर छापेमारी हो रही है। सपा विधायक नसीर खां और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सलीम कासिम के घर भी आयकर विभाग की टीम पहुंची है। ये दोनों नेता भी ट्रस्ट के सदस्य हैं। सीतापुर के रीजेंसी स्कूल में आयकर विभाग की टीम छापेमारी कर रही है। विभाग के स्थानीय कर्मचारी-अधिकारियों को छापेमारी की जानकारी नहीं है। इस छापेमारी के बाद रीजेंसी स्कूल और अल जौहर ट्रस्ट के बीच कोई कनेक्शन होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि अल जौहर ट्रस्ट का लोगो यहीं डिजाइन हुआ था। आजम खान के खिलाफ साल 2019 में जौहर यूनिवर्सिटी के लिए जमीनें कब्जाने के 30 मुकदमे दर्ज हुए थे। तब प्रशासन ने उन्हें भूमाफिया घोषित कर दिया था। ईडी ने भी आजम खां के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार शुक्ला ने बताया कि आजम खां के घर आयकर की टीम जांच पड़ताल की जा रही है। टीम ने आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के दोस्त अनवार के घर भी टीम पहुंची है।

सरकार जितनी कमजोर होगी उतना ही विपक्ष पर छापे बढ़ते जाएंगे : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां के घर पर हो रही छापेमारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार जितनी कमजोर होगी उतना ही विपक्ष पर छापे बढ़ते जाएंगे।

भाजपा विधायक आकाश ससेना ने की थी शिकायत

शहर विधायक आकाश ससेना ने बताया कि आजम खां ने अरबो रुपए की यूनिवर्सिटी बनाई है यह पैसा कहां से आया है इसकी हमने शिकायत की थी अब आयकर विभाग इसकी जांच कर रहा है। यूनिवर्सिटी का संचालन मौलाना मोहमद अली जौहर ट्रस्ट करता है, जिसके आजम खां अध्यक्ष है। इस ट्रस्ट के सदस्यों के घरों पर आयकर विभाग की टीम अन्य स्थानों पर भी जांच कर रही है।

मप्र में पूर्व सांसद के यहां भी रेड

आजम के हमसफर रिसॉर्ट पर भी आयकर विभाग के अफसरों ने छापेमारी की है। इसी तरह मध्य प्रदेश के विदिशा में भी आयकर विभाग की टीम ने बड़ा बाजार क्षेत्र में रहने वाले समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद रहे स्वर्गीय चौधरी मुनव्वर सलीम के निवास पर छापेमारी की।

चंद्रबाबू नायडू को राहत, हाईकोर्ट ने दिया हिरासत में न लेने का आदेश

» एसीबी कोर्ट की कार्यवाही पर 18 सितंबर तक अंतरिम रोक, अगली सुनवाई 19 को

4पीएम न्यूज नेटवर्क

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू को सीआईडी ने 9 सितंबर को 371 करोड़ रुपए के स्किल डेवलपमेंट स्कैम में गिरफ्तार किया था। इसके खिलाफ चंद्रबाबू के वकीलों ने हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगाई। बुधवार को इस पर सुनवाई हुई। आंध्र हाईकोर्ट ने एसीबी कोर्ट की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है।

साथ ही सीआईडी को नायडू को 18 सितंबर तक हिरासत में न लेने का आदेश दिया। इससे पहले सीआईडी ने चंद्रबाबू को 9 सितंबर को नंदयाल से गिरफ्तार किया था। रविवार (10 सितंबर) को उन्हें विजयवाड़ा कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सोमवार तड़के नायडू को विजयवाड़ा से 200 किमी दूर राजमहेंद्रवरम में राजामुंद्री सेंट्रल जेल ले जाया गया।

ज्यूडिशियल कस्टडी में रहेंगे

नायडू ज्यूडिशियल कस्टडी में रहेंगे। इस मामले पर अगली सुनवाई 19 सितंबर को होगी। नायडू की गिरतारी के बाद से उनके समर्थक लगातार विरोध जता रहे हैं। ऐसे ही एक कार्यकर्ता ने 12 सितंबर को विशाखापानम जाने वाली लाइट के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में अदारी किशोर नाम का शस विमान के अंदर लोकतंत्र बचाओ बैनर हाथ में लिए खड़ा है। आंध्रप्रदेश पुलिस ने उसे एयरपोर्ट से गिरतार किया। 12 सितंबर को सुबह एक कार से चंद्रबाबू का खाना जेल भेजा गया। उन्हें स्वास्थ्य कारणों से जेल के अंदर घर का खाना मिलने की अनुमति दी गई है।

मप्र के दतिया में गोलीकांड पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

दतिया। दतिया में धान के खेत में मवेशी घुस जाने के विवाद पर बुधवार सुबह पाल और दांगी समाज के लोगों के बीच हुआ विवाद गोलीकांड में बदल गया। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। जिनमें दांगी समाज के तीन और पाल समाज के दो लोगों की जान चली गई। जबकि आधा दर्जन लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में एक ही परिवार के पिता-पुत्र और भाई शामिल हैं। देखते ही देखते फायरिंग शुरू हो गई।

इस गोलीकांड में प्रकाश दांगी पुत्र भैयालाल, उसका पुत्र सुरेंद्र दांगी एवं भाई रामनरेश दांगी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे पक्ष पाल समाज के दो लोगों में राजेंद्र पाल और राघवेंद्र पाल की मौत हुई है। घटना के बाद पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मौके पर पहुंच गए हैं।

धान के खेत में मवेशी घुसने को लेकर विवाद

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम रेंडा में बुधवार सुबह प्रकाश दांगी का गांव के ही प्रीतम पाल से उसके धान के खेत में मवेशी घुस जाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद दोनों पक्षों के लोग बंदूक और अन्य हथियार लेकर आमने सामने आ गए।

सरकार की लापरवाही भुगत रही जनता : अखिलेश

» बोले- पूरे प्रदेश में फैल रहा संक्रामक रोग, यूपी के लोग दहशत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही और अकर्मण्यता से पूरा प्रदेश मच्छर जनित और संक्रामक बीमारियों की चपेट में है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मिर्जापुर समेत अन्य जिलों में डेंगू, मलेरिया, टायफाइड बुखार के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राजधानी में सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक ही दिन में 23 डेंगू के मरीज मिले हैं। लखनऊ में अब तक सिर्फ डेंगू के ही सैकड़ों मरीज मिल चुके हैं। इससे लोगों में दहशत है। उन्होंने कहा कि इसी तरह अन्य शहरों में भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शहरों में साफ-सफाई और मच्छरों से बचाव का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है।

नगर निगम लापरवाह बने हुए हैं। बरसात में जलभराव और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भी सरकार की कोई तैयारी नहीं है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में मरीज निजी अस्पतालों में लक्षणों के आधार पर इलाज कराने पर मजबूर हैं। नगर विकास और स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ रखे बैठा हुआ है। मुख्यमंत्री ने दोनों विभागों को निष्क्रिय बना दिया है। अस्पतालों में इलाज के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। सरकारी आदेश बेअसर है। जिलों के अस्पताल में बेड नहीं मिल पा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हैं।

घर, दुकान, बैंक कुछ भी सुरक्षित नहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिर्जापुर में कैश वैन की लूट की घटना पर कहा कि उप्र में घर, दुकान, बैंक कुछ भी सुरक्षित नहीं है। एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने लिखा, मिर्जापुर में बैंक के बाहर सरेआम गार्ड की हत्या एवं 22 लाख रुपये की लूट से उप्र भयभीत है। उन्होंने राज्य सरकार से घायलों का अच्छा इलाज कराने और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि झूठे इवेंट, चुनाव और वीवीआईपी की आवभगत में ही लगे प्रशासन के पास जनता की सुरक्षा के लिए समय ही कहां है?

गिरफ्तारी की राजनीति पड़ सकती है भाजपाइयों पर भारी

अखिलेश ने एक्स के जरिये एक अन्य बयान में कहा कि विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार करने का चलन अब केंद्र से लेकर राज्यों तक प्रचलन बन गया है। जो सत्ता के साथ नहीं आ रहा है, उसे जेल में डाल दो, ये निरंकुश शासकों की नीति होती थी, लोकतंत्र में इसके लिए कोई स्थान नहीं है। अखिलेश ने कहा कि भाजपाई और उनके अवसरवादी मित्र याद रखें कि राजनीतिक व्यवहार में ऐसा विचलन कल को खुद उन पर भारी पड़ सकता है। खुदगर्ज भाजपा किसी की सियासी दोस्त नहीं है।

न्याय दिलाने वाले ही न्याय को तरसे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इंसाफ दिलाने वाले वकीलों के लिए आज उत्तर प्रदेश शासन-प्रशासन में कोई साथ खड़े होने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने एक्स के जरिये कहा कि सपा मांग करती है कि हापुड़ की घटना के विरोध में 12 दिनों से चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल का भाजपा सरकार तत्काल वार्ता करके हल निकाले। इस मामले में अधिवक्ताओं का साथ देने पर हटाए गए डीजीसी, क्रिमिनल को बहाल किया जाए। भाजपा न्याय सुनिश्चित करने वालों के साथ तो न्याय करे।

नगर विकास मंत्री को नहीं दिखा राजधानी में जलभराव

लखनऊ। प्रदेश में नगर विकास मंत्री जी का जवाब नहीं। जब पूरे राजधानी में बारिश की वजह से जगह-जगह जलभराव की खबरों से पूरे देश के समाचार पत्र व चैनल भरे पड़े हैं उन्हें लखनऊ में की भी जलभराव नही दिखा। पत्रकारों के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि लखनऊ में पानी कहां भरा है, कहां जल जमाव हुआ है हम भी शहर की स्थिति का जायजा लेने निकले थे लेकिन हमें तो कहीं पानी भरा नहीं दिखा। असल में कैबिनेट बैठक के बाद लोक भवन में पत्रकारों से मुखातिब नगर विकास मंत्री अरविंद शर्मा ने यह बात कही।

जनता की समस्याओं को उठाने के लिए बना इंडिया गठबंधन : राघव

» आप सांसद बोले- मैं सनातन धर्म से हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा से आम आदमी पार्टी के सांसद और नेता राघव चड्ढा ने सनातन धर्म पर द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी के कुछ छोटे नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को इंडिया गठबंधन का आधिकारिक बयान नहीं माना जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि किसी पार्टी का कोई नेता इस तरह की टिप्पणी करता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह गठबंधन का बयान है।

देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी जैसे बड़े मुद्दों को उठाने के लिए गठबंधन बनाया गया है। चड्ढा ने आगे कहा कि मैं सनातन धर्म से हूं। मैं ऐसे बयानों की निंदा और विरोध करता हूं। इस तरह के बयान नहीं दिए जाने

चाहिए। किसी भी धर्म पर ऐसी टिप्पणी करने से दूर रहना चाहिए। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। बीजेपी इस मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन पर हमला बोल रही है। गौरतलब हो कि तमिलनाडु के नेता उदयनिधि के बयान के बाद से ही भाजपा गठबंधन पर मुखर है। इस मामले सोनिया व राहुल की चुप्पी पर भी वह सवाल उठा रही है इस बीच राघव का बयान आया है।

'भाजपाई घोटालेबाजों के यहां नहीं पड़ेंगे छापे'

» दिग्विजय बोले- भाजपा मप्र में करवाएगी विपक्ष पर ईडी और आईटी की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से प्रदेश में बयानबाजी से सियासत गरमा गई है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला। दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा विपक्ष पर ईडी और आईटी की छापेमारी की तैयारी में है। भोपाल में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ईडी का डर दिखा रही है। मोदी, शाह के घोटालेबाजों के यहां करोड़ों रुपए की संपत्ति है, लेकिन अवैध संपत्तियां बनाने वालों पर छापा नहीं डालेंगे यह लोग। उन्होंने कहा कि जगह-जगह ईडी के दफ्तर खोले जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हमारे नेता और पदाधिकारियों के ऊपर ईडी जबरन कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि यह लोग मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस से जुड़े लोगों पर छापेमारने की तैयारी कर रहे है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मोदी,

शाह के घोटालेबाजों के यहां करोड़ रुपए की संपत्ति है, लेकिन यह लोग अवैध संपत्तियां बनाने वालों के यहां छापा नहीं मारेंगे। यह सत्ता से बाहर जो लोग संघर्ष कर रहे है, उनको डरा रहे है। दिग्विजय सिंह ने जिन्होंने अवैध धन कमाया हो, वो डरें। हम इनसे डरने वाले नहीं है।

श्रीराम नहीं कटनी की पहचान हैं मां जालपा : दिव्यांशु

कटनी। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव आते ही अपनी दावेदारी ठोकने का काम सभी पार्टियों के नेताओं ने शुरू कर दिया है। उन्ही में से एक युवा नेता हैं दिव्यांशु मिश्रा, जिन्होंने क्षेत्र के विकास में अपनी भूमिका बताते हुए बीजेपी महापौर, विधायक, सांसद से लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर जमकर निशाना साधा। दिव्यांशु ने बीजेपी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि महापौर, विधायक, सांसद से लेकर मुख्यमंत्री बीजेपी का, लेकिन विकास ऐसा की खुद ही मिट जाता है। सड़के बनती हैं और साल भर के अंदर उखड़ जाती हैं। कोई क्षेत्र की समस्या बताता है तो काम करने की वजह एक दूसरे का बताते हैं। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिव्यांशु उर्फ अंशु मिश्रा ने कहा कि कटनी की पहचान श्रीराम नहीं मां जालपा हैं। भगवान श्रीराम सभी के ह्रदय में बसते हैं, लेकिन उनके नाम से वोट बैंक की राजनीति करती है बीजेपी। देश के विकास के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है और आवाज उठाने पर जेल में डाला जा रहा है। मेरे द्वारा कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, प्रियंका से लेकर राहुल गांधी को मां जालपा की छाया चित्र भेंटकर कटनी जिले की पहचान उन्हें भी बताई है।

ईडी का छापा पड़े तो इनके पेट में दर्द क्यों होता है : वीडी

दिग्विजय सिंह के ईडी के छापे के डर वाले बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि ईडी एक संवैधानिक संस्था है। संवैधानिक संस्था होने के साथ ईडी अपना काम करती है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे नेता ने जिंदगी में चोरी ही की है। इसलिए इनको यही दिखाई देता है। शर्मा ने कहा कि अरे ईडी या सीबीआई का छापा किसी के यहां पड़ता है तो आपके पेट में दर्द क्यों होता है। शर्मा ने कहा कि आपके मन में चोर है। आपने चोरी की है। इसलिए आपको ईडी का डर पहले से ही दिखाई देने लगता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखती है।

गरीब सवर्णों को पार्टी से जोड़ेंगे : बसपा

» दलितों के दूरी बनाने से पार्टी चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बसपा एक बार फिर से सवर्णों पर खास नजर रखेगी। बसपा पार्टी के सूत्रों ने कहा कि पर आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को जोड़ने की कवायद तेज करने की तैयारी की जा रही है। गांव चलो अभियान में भी इस पर जोर रहेगा। हालांकि बसपा ने अपने दलित वोट बैंक को रोकने के लिए विशेष तौर दलित बाहुल्य क्षेत्रों में कॉडर कैंप करने की रूपरेखा तैयार की है। वर्ष 2007 के बाद चुनावों में लगातार मात खाती जा रही बसपा के सामने इस समय विकट स्थिति है।

लगातार सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लेती आ रही बसपा का यह फार्मूला वर्ष 2022 के चुनाव में भी बुरी तरह से फ्लॉप हो गया। बावजूद इसके कि इस चुनाव में बसपा को एक करोड़ 18 लाख वोट मिले लेकिन सीट बस एक ही जीत पाई। रसड़ा विधानसभा सीट पर केवल बसपा विजयी हुई। प्रदेश में दलित वोटरों की संख्या लगभग तीन करोड़ है। इसमें काफी वोट बसपा को मिलते रहे हैं पर अब यह वोट बैंक भी खिसक रहा है। घोसी के उपचुनाव में यह वोटर बड़ी संख्या में शिफ्ट हुआ। हालांकि इस चुनाव में बसपा ने अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में नहीं उतारा था, पर साथ ही बसपाइयों को वोट न देने या नोटा दबाने की अपील की थी। बड़ी संख्या में दलित वोट बैंक शिफ्ट होने से बसपा के रणनीतिकारों की नींद उड़ गई है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा को एक करोड़ 93 लाख वोट मिले थे। उस समय पार्टी को 19 सीटें मिली थीं।

कैडर वोट के लिए गांव-गांव लगेंगे कैंप

अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बसपा ने कैडर कैंप शुरू किए हैं तो साफ कहा है कि सर्व समाज पर फोकस करना है। इनमें खास तौर पर आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को भी जोड़ने को कहा गया है। इसके लिए इस वर्ग के पदाधिकारियों के लक्ष्य तय किए जा रहे हैं। गांव चलो अभियान में इस वर्ग के बाहुल्य गांवों में लगातार अभियान चलाने को कहा है। भले ही किसी भी अन्य वर्ग पर फोकस किया जा रहा हो पर बसपा की सबसे बड़ी चिंता यही है कि दलित वोटर स्थायी रूप से कहीं दूसरे दलों में शिफ्ट न हो जाएं। यही कारण है कि दलितों में लगातार कैंप करने को कहा है। शहर गांव दोनों में ही दलितों के बीच बसपाई लगातार कैंप कर रहे हैं। साथ ही इनके क्षेत्रों में कार्डर कैंपों का आयोजन लगातार करने को कहा है। हर विधानसभा क्षेत्र में इस बाबत अलग से कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसमें युवाओं एवं महिलाओं को जोड़ते हुए नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया जा रहा है। बूथ कमेटियों पर खास फोकस है।

एक चेहरे के ईदगिर्द ही घूमेगा राजस्थान का चुनावी पहिया

» कांग्रेस में सीएम गहलोत अकेले मोर्चा लेने को तैयार

» भाजपा पीएम मोदी को आगे करके लड़ेगी चुनाव

» वसुंधरा राजे व पायलट की भूमिका स्पष्ट नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के दिग्गज नेता व राजस्थान सीएम अशोक गहलोत राज्य के रण में पूरे चुनावी युद्ध को अकले लड़ने की योजना बना रहे रहे हैं। ऐसा कुछ दिनों से उनके द्वारा पूरे प्रदेश में अकेले ही भाजपा से मोर्चा लेने की खबरों से लग रहा है। यहीं नहीं वह राज्य में अपनी सरकार की सारी योजनाएं लोकलुभावन बना रहे हैं है ताकि उन्हें फिर से एकबार सीएम की कुर्सी मिल सके। सबसे बड़ी बात उन्होंने अपने सिपहसलार सचिन पायलट को चुनावी कमेटियों से दूर रखकर भी जता दिया है कि वह राजस्थान के वही एक छत्र नेता है। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा।

कांग्रेस की टिकटों के वितरण में भी उन्हीं की चलेगी। उनके समर्थको को ही टिकट मिलेगी। राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में अब मात्र दो माह का समय रह गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अकेले चलने की राह पर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने पूरे चुनाव की कमान अपने हाथों में थाम कर चुनावी व्यूह रचना करने में जुट गयें हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने प्रतिद्वंदी सचिन पायलट को चुनावी रणनीति से पूरी तरह दूर कर दिया है। चुनाव के लिए गठित कांग्रेस पार्टी की किसी भी कमेटी की कमान सचिन पायलट को नहीं दी गई है। चुनावी कमेटियों में उन्हें मात्र एक सदस्य के तौर पर ही शामिल किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले दिनो राजस्थान में चुनावों के लिये कोर कमेटी, कोऑर्डिनेशन कमेटी, चुनाव कम्पेनिंग कमेटी, मेनिफेस्टो कमेटी, स्ट्रेटजी कमेटी, मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी, पब्लिसिटी एंड पब्लिकेशन कमेटी और प्रोटोकॉल कमेटी सहित कुल आठ चुनावी कमेटियों का गठन किया था। इन कमेटियों में कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को तो शामिल किया गया है। मगर उनके समर्थकों को विशेष तवज्जो नहीं मिल पाया है। चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण कोर कमेटी का संयोजक कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया है। इस कमेटी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट, पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, महेंद्रजीत मालवीया, मोहन प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को शामिल किया गया है। इस कमेटी में पायलट को छोड़कर बाकी सभी गहलोत समर्थक को शामिल किया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कोर कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें किसी पायलट समर्थन के नहीं आने से पायलट अकेले पड़ गए हैं। इसी तरह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कोऑर्डिनेशन कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के पूर्व नेता, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों को शामिल किया गया हैं। इसमें कई मंत्री व प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है। इस कमेटी में कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल को भी शामिल किया गया है। जिन्होंने पिछले साल 25 सितंबर को कांग्रेस पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे व अजय माकन द्वारा बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवाया था। धारीवाल को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा उस घटना पर कारण बताओं नोटिस भी दिया गया था। जिस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उसके उपरांत भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सबसे निकटवर्ती मंत्री शांति धारीवाल को उक्त महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल करवा कर यह बता दिया है कि कांग्रेस में वही होगा जो गहलोत चाहेंगे।

कैंपेनिंग कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को बनाया

कैंपेनिंग कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को बनाया गया है। मेघवाल बीकानेर संभाग में गहलोत के कट्टर समर्थक नेता माने जाते हैं। पूर्व में वह भाजपा विधायक व संसदीय सचिव रह चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस टिकट पर 2013 और 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसमें 2013 में हार गए थे। मंत्री बनने से पहले उन्हें प्रदेश कांग्रेस का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। पहले सचिन पायलट को चुनाव कम्पेनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा थी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दलित नेता गोविंदराम मेघवाल का नाम आगे कर पायलट का पत्ता साफ कर दिया। मेनिफेस्टो कमेटी का अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को बनाया गया है। इस कमेटी में 21 सदस्यों को शामिल किया गया है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को एक्स ऑफिस मेंबर के रूप में इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पंजाब के प्रभारी व बा?मेर से आने वाले जाट नेता हरीश चौधरी को स्ट्रैटेजिक कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश को मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 22 लोगों को शामिल किया गया है। मीडिया एंड पब्लीसिटी कमेटी का राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 21 लोगों को शामिल किया गया है। मुरारीलाल मीणा की गिनती कट्टर पायलट समर्थको में होती है। दौसा जिले से आने वाले मुरारीलाल मीणा समाज के प्रभावशाली नेता है तथा पायलट के समर्थन में मुखर होकर बात रखते हैं। प्रोटोकॉल कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया को बनाया गया है इस कमेटी में 21 सदस्य शामिल है। कोटा के सांगोद से विधायक व पूर्व मंत्री भरतसिंह प्रमोद जैन भाया के भ्रष्टाचार को लेकर अक्सर मुख्यमंत्री को पत्र लिखते रहते हैं। भारत सिंह के विरोध के बावजूद प्रमोद जैन भाया को कमेटी का अध्यक्ष बनाकर गहलोत ने भरतसिंह की बोलती बंद कर दी है।

राजस्थान भाजपा में नहीं छट रहा अंधेरा

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुये हैं। वसुंधरा समर्थकों को मानना है कि उनके पास अपनी ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती हैं तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं कि मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता है कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खिंचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खींचतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी ब? नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा ने चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बड़ा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके।

वसुंधरा राजे को लेकर कार्यकर्ता असमंजस में

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रमों में राजे शामिल नहीं हुईं थीं। कुछ दिनों पूर्व गंगापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयीं जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। हालांकि वह परिवर्तन यात्रा में शामिल हुईं। भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे के दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा सही समय का इंतजार कर रही हैं। अंदर खाने वसुंधरा राजे ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। दूसरी ओर, राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं।

पायलट की भूमिका को नहीं मिली मजबूती

कांग्रेस आला कमान के समझाने पर सचिन पायलट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में घोटाला, पेपर लीक प्रकरण को लेकर युवा वर्ग के पक्ष में पांच दिनों तक अजमेर से जयपुर तक पदयात्रा निकालने के बाद शुरू किए गए जन आंदोलन को भी समाप्त कर दिया था। लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य से लगता है कि राजस्थान कांग्रेस में पायलट को कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिलने वाली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह कब कौन सी बाजी पलट दे किसी को नहीं पता होता है। जब कांग्रेस आलाकमान ने उनका नाम कांग्रेस अध्यक्ष के लिये घोषित कर दिया था तब उन्होंने अचानक विधायकों से बगावत करवा कर सचिन पायलट के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना कर कांग्रेस अध्यक्ष के बजाय मुख्यमंत्री ही बने रहना बेहतर माना था। अभी मुख्यमंत्री गहलोत जिस तरह से मेहनत कर रहे हैं। उससे लगता है कि यदि राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनती है तो उनका मुख्यमंत्री बनना तय है।

भाजपाई प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकालेंगे यात्रा

वहीं कहा जा रहा है अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत कर चुकी है। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चौपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चौपालें भी आयोजित की जा रही हैं। पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ हुई। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

धरती पर हो रहे अवैध निर्माण बढ़ा रहे कंपन

तुर्किये में उस समय आए भूकंप के बाद वैज्ञानिकों ने ही निष्कर्ष निकाला था की धरती पर हो रहे बेतरतीब अवैध निर्माणों की वजह से पृथ्वी के आंतरिक हिस्सों में परिवर्तन हो रहा, जिसकी वजह से भूकंप जैसी आपदाएं आ रही हैं। अफ्रीकी देश मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में अबतक 2,862 की जानें चली गई हैं। लोगों की जिंदगियों को बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है।

इस साल पूरे विश्व में कई देशों में भूकंप आया। भारत में तो सितंबर के महीने तक कई बार भूकंप के झटके महसूस किए है। लेकिन इस वर्ष तुर्किये में आए भूकंप के बाद पिछले 8 सितंबर मोरक्को में आए भूकंप ने हजारों लोगों की जान ले ली। तुर्किये में उस समय आए भूकंप के बाद वैज्ञानिकों ने ही निष्कर्ष निकाला था की धरती पर हो रहे बेतरतीब अवैध निर्माणों की वजह से पृथ्वी के आंतरिक हिस्सों में परिवर्तन हो रहा, जिसकी वजह से भूकंप जैसी आपदाएं आ रही हैं। अफ्रीकी देश मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में अबतक 2,862 की जानें चली गई हैं। लोगों की जिंदगियों को बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। भूकंप का केंद्र मराकेश से लगभग 71 किमी दक्षिण-पश्चिम में हाई एटलस पर्वत में था। अफ्रीका की मोइना स्पूनर ने गैलिंडो से बात करके यह जानने की कोशिश की कि आखिर मोरक्को में भूकंप का कारण क्या था? एटलस पर्वत उत्तर-पश्चिम अफ्रीका के मोरक्को, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया तक फैली एक आकर्षक श्रृंखला है। इस क्षेत्र में आमतौर पर टेक्टोनिक प्लेटों के किनारों के पास अन्य जगहों की तुलना में बहुत ज्यादा भूकंप नहीं आते हैं।

हम इस पर्वत श्रृंखला के विकास और महाद्वीपीय प्लेट सीमा के किनारे इसकी स्थिति को समझना चाहते हैं। भूकंपीय गतिविधि, गुरुत्वाकर्षण और अन्य भूभौतिकीय घटनाओं के अध्ययन से हमें पृथ्वी की 100 किमी से अधिक गहराई तक की गहरी संरचना को समझने में मदद मिलती है। एटलस पर्वत का निर्माण पैंजिया महाद्वीप के टूटने के दौरान हुआ था। इसकी ऊंची चोटियों और खड़ी ढलानों से पता चलता है कि यह पर्वत श्रृंखला लगातार बढ़ रही है। पहाड़ों की खड़ी ढलानें और सीधी रेखाएं जहां धरती की क्रस्ट फट गई है, यह बताती है कि इस क्षेत्र के नीचे पृथ्वी में हाल ही में हलचल हुई है। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ अधिक भूकंप नहीं आते। एटलस पर्वत हर साल लगभग 1 मिलीमीटर की दर से एक साथ खिसक रहे हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यूरेशियन और अफ्रीकी प्लेटें एक-दूसरे के करीब आ रही हैं। यह निचोड़ने की क्रिया क्षेत्र में सबसे ऊंचे पहाड़ों के निर्माण के लिए जिम्मेदार है और यहीं दक्षिणी छोर जहां ये दो बड़ी प्लेटें मिलती हैं। यह भूकंप टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने की वजह से आया है। अब इंसानों को चेतना होगा कि अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए धरती को असंतुलित करना मानव जीवन के लिए खतरनाक है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकसित राष्ट्र बनने की राह में मौजूद चुनौतियां

सुरेश सेठ

भारत के नीति-नियंताओं के अनुसार आजादी के 75वें साल के बाद अब हम एक अमृत पथ के अनुगामी हैं। जब देश अपनी आजादी का शतकीय महोत्सव मनाएगा तो यह विकासशील देश नहीं रहेगा बल्कि विकसित राष्ट्र बन जाएगा। जो अनुमान इस रास्ते पर चलते हुए हमारी उपलब्धियों के लगाए जा रहे हैं वे निश्चय ही भारत का एक उजला चेहरा प्रस्तुत करते हैं। मार्गन स्टेनली एक विश्वसनीय सर्वेक्षण आंकड़ा संस्थान है। उसने भी 2023-24 के पूरे वर्ष में भारत की विकास दर को बढ़ाकर 6.2 प्रतिशत से 6.4 प्रतिशत कर दिया है। अप्रैल-जून, 2023 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। मार्गन स्टेनली 7.4 प्रतिशत का अनुमान लगा रहे थे। जब पूरी दुनिया महामंदी की शिकार हो रही है, भारत में न मांग में कमी आई है न ही घरेलू उत्पादन में। अगर विदेशी निवेश कम हुआ तो घरेलू निवेश ने जगह ले ली है। जिस स्थाई सरकार का अहसास मोदी जी ने पिछले 9 वर्ष में भारत को दिया है और अब अगले महाचुनाव के बाद भी इसी स्थायित्व के बने रहने का विश्वास दिलाते हैं, उसी से ही देश की शेयर मार्केट उत्साहित है।

यह देश की कामयाबी है कि एक दशक से भी कम समय में आर्थिक तरक्की पांच पायदान की छलांग लगाकर देश दसवीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। इसका कारण था अर्थव्यवस्था, शिक्षा, वित्तीय क्षेत्र, बैंक डिजिटलीकरण और कल्याण का समावेशी और सामाजिक विकास। देश की आर्थिक विकास दर दुनिया में सबसे आगे है, इस पर कोई संदेह नहीं। देश का सकल घरेलू उत्पादन और सकल घरेलू आय निरंतर बढ़ रही है। इस समय 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार भारत 3.39 लाख करोड़ के सकल घरेलू उत्पाद के साथ ब्रिटेन को पीछे छोड़ गया। बहुत जल्दी वह जापान और जर्मनी को भी पीछे छोड़कर अमेरिका और चीन के बाद अपना स्थान ग्रहण कर लेगा। अर्नेस्ट एंड यंग कहता है कि 2028 तक भारत की जीडीपी 5 लाख करोड़ को पार कर जाएगी। जापान व जर्मनी हमसे पीछे रह जाएंगे और भारत विश्व की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में होगा। बहुत अच्छी खबरें हैं ये।

पिछले बजट में ही भारत की वित्तमंत्री ने ऐलान कर दिया था कि अब हमारा ध्यान भारत के मूलभूत आर्थिक ढांचे को बनाने की ओर है। भारत के लिए पूंजी निर्माण की ओर है। इसीलिए देश में न केवल खेती और औद्योगिक व्यवस्था का कायाकल्प होगा बल्कि देश

में विनिर्माण, सेवा और पर्यटन क्षेत्र को भी नई रंगत दे दी जाएगी। लेकिन कुछ प्रश्न हैं जो अंतर्निहित संकट की ओर इशारा करते हैं। सवाल यह कि देश में बेरोजगारी की समस्या क्यों हल नहीं हुई? महंगाई का संकट क्यों पैदा हो गया? भ्रष्टाचारियों के नये-नये कारनामे रुक क्यों नहीं रहे हैं। उधर हमारी विधानसभाओं से लेकर हमारी संसद के सत्रों में आरोपित और दागदार चेहरों की भरमार होती जा रही है। विश्व के भ्रष्टाचार सूचकांक बताते हैं कि भ्रष्टाचार उन्मूलन की घोषणाओं के बावजूद अपने देश में भ्रष्टाचार की सघनता कम नहीं हुई। देश में परिवारवाद और रियायतों की रेवड़ियां खत्म करने की बहुत-सी बातें की जाती हैं लेकिन जैसे ही चुनावों की घोषणा होती है, उम्मीदवारों में नये खून के नाम पर स्थापित राजनीतिक विभूतियों के परिवार से जुड़े हुए लोग किसी न किसी चोर दरवाजे से नजर आने लगते हैं। हर दल का एजेंडा चुनावी घोषणा पत्रों के साथ आम लोगों के लिए तर्कहीन रियायतों और अनुकम्पाओं से भरा होता है। सवाल शिक्षा नीति को लेकर भी, कि क्या हमने नई शिक्षा नीति का आकलन किया है कि उसके द्वारा चलाए गए शिक्षा संस्थानों में पाठ्यक्रम पुस्तकें और अध्यापन बदल गया है? जो नई पीढ़ी सामने आए, वह क्या बिल्कुल नये युग और 21वीं सदी के तकाजों के अनुरूप हो। वास्तविकता यह है कि पुरानी डिग्रियां लगभग नाकारा लगती हैं और डिजिटल हो जाने या इंटरनेट की सामर्थ्य केवल एक चुने हुए वर्ग तक ही सीमित रहती नजर आती है। शहरों और कस्बों तक ही सिमटी नजर आती है। जब आयकर रिटर्न दाखिल करने का समय आता है तो इनकी संख्या 7 करोड़ से ऊपर नहीं होती।

उसमें से भी आधी रिटर्न ऐसी होती हैं जिनमें कोई कर देय नहीं होता। सवाल ये भी है कि शिक्षा और स्वास्थ्य पर धनराशि का आवंटन प्रतिशत कम क्यों हो रहा है। मनरेगा के लिए धनराशि का आवंटन कम क्यों कर दिया गया? मनरेगा को किसी निर्दिष्ट कार्य योजना के साथ क्यों नहीं जोड़ा गया? सहकारी आंदोलन और लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास प्राथमिकता क्यों नहीं बनती? और लघु व कुटीर उद्योगों का विकास स्टार्टअप उद्योगों में भी नजर नहीं आता। ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं जो देश के 21वीं सदी के शुभ आगमन के रास्ते में खड़े नजर आते हैं। इन समस्याओं के समाधान के बाद ही हम 2047 में भारत के विकसित राष्ट्र बन जाने की कल्पना को साकार करेंगे। मौजूदा चुनौतियों का गंभीरता के साथ?मुकाबला करने की जरूरत है।

जातिवादी जुमलों से जनमत जुटाने की राजनीति

राजेश रामचंद्रन

सनातन धर्म का अर्थ है शाश्वत मूल्य। फिर क्यों डीएमके के नेताओं का झगड़ा इस कालजयी दर्शन से है? सबसे गलीज भाषा में गरियाना तो एक तरफ, सनातन धर्म की तुलना भयंकर बीमारी से की गई है। इसके भीतर छिपी है तथाकथित द्रविड़ राजनीति की जातीय नफरत आधारित संकीर्ण चाल। तमिलनाडु की पिछड़ी जाति आधारित चुनावी राजनीति में जिसे -द्रविड़ार विचारधारा- के नाम से जाना जाता है और जिसका शेष दक्षिण भारत में कोई नामलेवा नहीं है सनातन धर्म को एक प्रतिरोध का शब्द या ब्राह्मणों को गरियाने का विशेषण बना दिया गया है। तमिलनाडु में पिछड़ी जाति की राजनीति करने वाले नेताओं और उनके मतदाताओं के लिए सनातन धर्म शब्द को प्रतीक बना डाला है ब्राह्मणों के प्राधान्य, कर्मकांड, अंधविश्वास और ब्राह्मणवादी सामंतशाही का।

जिस तरह हिंदुत्व की राजनीति करने वाले नेता एक वर्ग विशेष को 'गैर' ठहराकर बहुसंख्यकों को इकट्ठा करने में लगे हैं, वैसे ही पिछड़ी जाति की राजनीति करने वाले तमिलनाडु के नेता लोगों को लामबंद करने में सनातन धर्म का इस्तेमाल करते हैं। तथ्य है कि ईवी रामासामी नायकर जो पेरियार के नाम से प्रसिद्ध हैं, ने ब्राह्मण विरोधी नफरत को एक विचारधारा में बदल डाला और इस मंच को 'द्रविड़ार कझगम' नाम दिया। रोचक कि आरएसएस और द्रविड़ार कझगम की स्थापना एक ही साल, 1925 में हुई और उनके आलोचक दोनों पर अंग्रेजों का पिट्ठू होने का इल्जाम लगाते हैं। पेरियार जब मद्रास प्रेसीडेंसी कांग्रेस कमेटी के मुखिया थे, तब उनका ज्यादा जोर ब्रिटिश शासन की बजाय ब्राह्मणों से भिड़ने पर रहा और ब्रितानी हुकूमत समर्थक जस्टिस पार्टी से हाथ मिलाया। रोचक यह भी कि जस्टिस पार्टी का नेतृत्व एक नायर कर रहे थे (जबकि पेरियार के लिए सब गैर-ब्राह्मण दबे-कुचले थे, चाहे वे कितने भी बड़े भूस्वामी क्यों न हों)। द्रविड़ राजनेता ज्यादातर मध्यम जाति श्रेणी से संबंधित थे, हालांकि तकनीकी रूप से उन्हें पिछड़ा या अति पिछड़ा जाति की श्रेणी में गिना जाता था। जो लोग खुद को चोल या पांड्या वंश की संतति बताते हैं, उनमें अधिकांश तमिलनाडु में अब पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित कोटे के लाभार्थी हैं।

इसलिए, पेरियार की राजनीति पिछड़ी जातियों के गौरव और सशक्तीकरण को उभारने में मुफीद बैठती है, क्योंकि इसने संख्या के हिसाब से राजनीतिक रूप से गौण ब्राह्मणों को नस्लीय 'विजातीय' में तब्दील कर दिया। एक वक्त कांग्रेस में काफी संख्या में नेता ब्राह्मण थे,और पूरी संभावना है, पेरियार ने कांग्रेस और महात्मा गांधी पर हमला करने के लिए गरियाने में सनातन धर्म को एक सुलभ-शब्द बना डाला। ब्रिटिश हुकूमत के प्रति पेरियार के झुकाव का सबूत है, स्वतंत्रता आंदोलन का विरोध और 1947 में मिली आजादी को अस्वीकार करना। यह उनकी ब्रिटिश-समर्थक, ब्राह्मण-विरोधी राजनीति थी जिसने तमिल अलगाववाद के बौद्धिक ढांचे की नींव रखी, जिसकी कीमत राष्ट्र ने कई जानें गंवाकर चुकाई, इसमें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी थे -क्योंकि श्रीलंका की एलटीटीई का नेतृत्व रणनीतिक बौद्धिकता के लिए सदा मुख्यभूमि के अतिवादी द्रविड़ार कझगम काडर पर निर्भर रहा।

इसमें यदि अंतर्निहित दोगलापन न होता तो इतना भर भी चल जाता। अब, जब तमिलनाडु में छोटे अल्पसंख्यक के रूप में ब्राह्मण पस्त हो चुके हैं और बेहतर जिंदगी के लिए मातृभूमि छोड़कर पलायन कर रहे हैं। ऐसे में मंदिरों और समाज पर ब्राह्मणों का पुराना आधिपत्य कायम रहना बीते वक्त की बात है। सबसे बड़ी विडंबना यह कि द्रविड़वादी काडर स्वयं बहुत बड़े आस्थावान और मंदिर जाने वाले भक्त हैं! उनके लिए सनातन धर्म शब्द ब्राह्मणों को गरियाने का एक औजार भर है, लेकिन डीएमके के मतदाताओं को अपने नेताओं का ब्राह्मणवाद को गाली देने में और खुद हिंदू धर्म या मंदिरों में आस्था रखने के बीच कोई विरोधाभास क्यों नजर नहीं आता। इसीलिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र उदयनिधि स्टालिन एक लिखा-लिखाया भाषण पढ़ना गवारा कर पाए, जिसमें सनातन धर्म से 'छुटकारा' पाने की कामना की गई, क्योंकि अब यह और हिंदुत्व की राजनीति और संघ परिवार, एक बराबर है। इस तरह ब्राह्मणवाद और भाजपा को एक ही पलड़े में रखते हुए, हिंदुत्व की अलम्बरदार पार्टी को वह संगठन बताकर अवांछनीय बनाया जा रहा है जो समाज में कथित ब्राह्मणवाद आधारित ऊंच-नीच कायम रखना चाहता है।

यदि पेरियार ने सनातन धर्म पर हमले बोलने वाला हथियार इस्तेमाल करके कांग्रेस को अवांछनीय बनाया तो स्टालिन पिता-पुत्र द्वय का पैंतरा है कि तमिलनाडु में भाजपा की पिछड़ी जातियों में पहुंच बनाने की कोशिश को ब्राह्मणवादी उद्यम की रंगत दी जाए। यह जातिगत नफरत को परोक्ष रूप में चुनावी संदेश देने वाली राजनीति है, जो वक्ता और श्रोता भली-भांति समझते हैं। इससे ज्यादा इसका कोई अर्थ नहीं है। क्योंकि अभी पिछले महीने ही उदयनिधि की मां दुर्गा स्टालिन ने केरल के सुप्रसिद्ध गुरुवायुर कृष्णा मंदिर में देवता को सोने का मुकुट चढ़ाया है, जहां रोजाना की पूजा वैदिक रीति अनुसार होती हैं। गुरुवायुर की तीर्थ यात्रा या तो वे करते हैं जिनमें बहुत ज्यादा आस्था हो या फिर वे, जिन्हें ज्योतिषी ने किसी ग्रह-दोष निवारण उपाय के तौर पर जाने को कहा हो। जो भी है, दुर्गा स्टालिन इतनी महंगी भेंट न चढ़ातीं यदि इसके पीछे पति-पुत्र की बेहतरी के लिए भगवान कृष्ण की कृपा पाने की चाहत न होती।

घर पर बनाकर खिलाएं पनीर आलू समोसा

समोसा लगभग सभी को पसंद होता है। स्नैक्स में समोसा एक आम व्यंजन है, लेकिन आज कल लोग अपनी मन पसंद चीज खाने से बचते हैं, वजह होती है तेल चिकना अधिक होना। दरअसल समोसा - पकौड़ी आमतौर पर सभी को पसंद होती है लेकिन ये सब तेल में डीप फाई करके बनाएं जाते हैं, इसीलिए लोग सेहत को ध्यान में रखते हुए मन होने पर भी इसे नहीं खाते। ऑइली फूड खाने में भले ही स्वादिष्ट होते हैं लेकिन कई तरह की बीमारियों की जड़ भी होते हैं। ऐसे में पसंदीदा चीजे खाने को लेकर मन मारना पड़ता है। लेकिन आप समोसा को बिना तेल के भी बना सकती हैं, जिससे न तो आप की सेहत पर तेल का असर होगा और न ही आपको अपनी समोसा खाने की इच्छा को मारना होगा।

सामग्री

1 कप मैदा, 2-4 उबले आलू,1 कप पनीर, 1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर,1/4 टीस्पून धनिया पाउडर,1 टीस्पून चाट मसाला,1/4 टीस्पून गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि

पनीर-आलू समोसा बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में एक मैदा, नमक और थोड़ा सा पानी डालकर आटा गूंद लें। इस बात का ध्यान रखें कि आटा ज्यादा सख्त न हो और न ही ज्यादा नरम आटा हो। अब एक बाउल में उबले हुए आलू, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, धनिया पाउडर, गरम मसाला और नमक मिलाकर समोसे की स्टफिंग बना लीजिए। फिर जो आटा आपने गूंथ कर रखा था, उसकी छोटी छोटी लोई बना लीजिए। अब लोई को पूड़ी के जैसे बेल लीजिये और उसमें एक चम्मच आलू पनीर का स्टफिंग रखकर समोसे के आकार में तिकोना मोड़ लीजिए। प्रेशर कुकर को गैस पर आंच में गर्म होने के लिए रख दें। कुकर में नमक डालें और एक जाली स्टैंड रखें। फिर कुकर का ढक्कन से बंद करके दस मिनट करें। तब तक एक प्लेट को घी लगाकर चिकना कर लीजिए। समोसे पर हल्का घी लगाकर चिकनी वाली प्लेट पर थोड़ी थोड़ी दूरी पर रख दें। गैस पर चढ़े कूकर का ढक्कन हटा कर उसमें समोसे की प्लेट को जाली स्टैंड पर रख कर ढक दीजिए। करीब 15 से 20 मिनट तक समोसे को कुकर में सिकने दें।

झटपट बनाएं काठियावाड़ी खिचड़ी

हर भारतीय घर में खिचड़ी खाना हर कोई पसंद करता है। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि, जब लोग दिन भर पेट भर-भर के हैवी खाना खाते हैं, तो रात के वक्त वो हल्का खाना ही पसंद करते हैं। हल्के खाने में खिचड़ी एक ऐसा ऑप्शन है जो खाने में भी स्वादिष्ट होती है और आसानी से भी बन जाती है। कई जगह पर खिचड़ी काफी सादे तरीके से खाई जाती है, जो खाने में ज्यादा मजेदार नहीं होती। काठियावाड़ी खिचड़ी की, जिसका नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। इसे बनाना ज्यादा मुश्किल नहीं है। इसे बनाते समय आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए कई तरीके की सब्जियों का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसे आप गर्मागर्म परोस कर अपने घर वालों को खुश कर सकती हैं।

सामग्री

चावल-1 कटोरी, मूंगदाल-1 कटोरी, प्याज- 1, अदरक कद्दूकस- 1 टी स्पून, लहसुन कलियां- 4-5, हरी लहसुन कटी- 1 टेबलस्पून, हरी मिर्च कटी - 1, टमाटर- 1, आलू- 1, मटर- 1/2 कटोरी, हरा धनिया बारीक कटा- 3 टेबलस्पून, जीरा-1 टी स्पून, तेल - 4 टेबलस्पून, नमक- स्वादानुसार, हल्दी- 1/2 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर-1 टेबलस्पून, गरम मसाला- 1/2 टी स्पून।

विधि

काठियावाड़ी खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले मूंग की दाल और चावल को अच्छे से साफ करके धो लें और पानी में भिगों दें। इसके बाद आलू, प्याज और टमाटर के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक कुकर लेकर इसमें भिगोए हुए दाल-चावल डालें। साथ ही में आलू, मटर दाने, हल्दी और हल्का नमक डालें। जितना दाल-चावल आपने लिया है उसका चार गुना पानी कुकर में डालकर इसमें तीन से चार सीटी लगने दें। जब ये पक जाए तो एक कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा, लहसुन के टुकड़े, अदरक कसा हुआ और हींग डालकर भूनें। अच्छे से मसाले भुन जाने के बाद प्याज और लहसुन डाल कर पकाएं। जब ये भी पक जाए तो इसमें कटे टमाटर, हरी मिर्च, गरम मसाला डालकर इसे भी अच्छे से ही पकाएं। सभी सामानों के पक जाने के बाद इसमें थोड़ा पानी डालें। पानी में जब अच्छे से उबाल आ जाए तो इसमें पकी हुई खिचड़ी डाल दें। इस खिचड़ी को आपको दो से तीन मिनट के लिए अच्छे से पकाना है। जब ये पक जाए तो ऊपर से धनिया पत्ती डाल कर इसे गर्मागर्म ही परोसें। इसके साथ आप चटनी, अचार और पापड़ भी सर्व कर सकती हैं।

हंसना मना है

प्रेमी (प्रेमिका से)- तुम मेरे सपनों में, ख्वाबों में, जज्बातों में रहती हो। प्रेमिका (प्रेमी)- भैया, तुमको किसी ने बेवकूफ बनाया है.. मैं तो दिल्ली में रहती हूं।

लड़का (लड़की) से-कोई ऐसी बात कहो जिसे सुनकर दु:ख भी हो और खुशी भी। लड़की- आई लव यू भैया!

प्रेमी और प्रेमिका छत पर बैठे थे, चांदनी छिटकी हुई थी, अचानक प्रेमिका बोली- मेरी इच्छा है कि मैं अगले जन्म में चांद बनूं, प्रेमी - हा ! प्रिय मेरी इच्छा है कि मैं चांद पर उतरने वाला पहला अन्तरिक्ष यात्री बनूं।

प्रेमिका-क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो? प्रेमी - हां, प्रिये , मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं, प्रेमिका- जान मत दो, पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी- प्रिये! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते है।

लड़का- आई लव यू! लड़की- सॉरी! मैं किसी और से प्यार करती हूं! यह सुनकर लड़का उदास हो गया। फिर अचानक तेजी से भागा। लड़की ने पूछा- कहां जा रहे हो? लड़का- तेरे प्यार की बात तेरी मम्मी को बताने! लड़की चिल्लाई- रुक जा कमीने! आई लव यू 2!

कहानी — आइसक्रीम की एक डिश

एक बार एक छोटा सा लड़का एक होटल में गया। कुछ ही देर में वहां वेटर आया और उसने पुछा आपको क्या चाहिए सर? छोटे बच्चे ने उल्टा पुछा! वैनिला आइसक्रीम कितने रूपए का है? उस वेटर वाले ने जवाब दिया 50 रुपये का । यह सुन कर उस छोटे लड़के ने अपने जेब में हाथ डाल कर कुछ निकला और हिसाब किया । उसने दुबारा पुछा कि संतरा फ्लेवर आइसक्रीम कितने का है। वेटर ने दुबारा जवाब दिया और कहा 35 रुपये का सर। यह सुने के बाद उस लड़के ने कहा! मेरे लिए एक संतरा फ्लेवर आइसक्रीम ले आईये। कुछ ही देर में वेटर आइसक्रीम की प्लेट और साथ में बिल लेकर आया और उस बच्चे के टेबल पर रखकर चले गया। उस लड़के ने उस आइसक्रीम को खाने के बाद पैसे दिए और वह चले गया । जब वह वेटर वापस आया तो वह दंग रहे गया यह देखकर कि उस लड़के नें खाए हुए आइसक्रीम प्लेट के बगल में आइस-क्रीम के 35 रुपए के साथ उसके लिए 15 रुपए का टिप छोड़ गया था।

कहानी से शिक्षा- उस लड़के पास 50 रुपये होने पर भी उसने उस वेटर के टिप के बारे में पहले सोचा न की अपने आइसक्रीम के बारे में । उसी प्रकार हमें अपने फायदे के बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मकर

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

जवान की सफलता से गदगद अक्षय ने दी शाहरुख को बधाई

शाहरुख खान इस समय अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जवान की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म ने नेशनल टिकट खिड़की पर 316 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। ऐसे में शाहरुख खान के फैंस सहित बॉलीवुड सितारे भी उनकी सफलता पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। धर्मेंद्र के बाद अब शाहरुख खान के दोस्त और अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सुपरस्टार को फिल्म की सफलता के लिए बधाई दी है। जिस पर शाहरुख खान ने रिएक्ट किया है।

अक्षय कुमार ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर शाहरुख खान को बधाई देते हुए शानदार पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा ,कितनी बड़ी सफलता! बधाई हो मेरे 'जवान पठान'। शाहरुख खान हमारी फिल्में वापस आ गई हैं और कैसे। अक्षय कुमार के बधाई पोस्ट पर शाहरुख प्रतिक्रिया देते हुए कहा है, आप ने दुआ मांगी है ना हम सब के लिए तो कैसे खाली जाएगी। शुभकामनाएं और स्वस्थ रहो खिलाड़ी! लव यू।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फिल्म जवान की रिलीज के चौथे दिन रविवार को सबसे ज्यादा कलेक्शन दर्ज किया है। शुरुआती रुझान के मुताबिक, रविवार के दिन सिर्फ भारत में जवान ने 85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म अपने पांचवें दिन के अंदर ही 316.16 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर फिल्म इंडस्ट्री को हैरान कर दी है। जबकि इसका ग्लोबल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अभी तक 500 करोड़ है। उन्होंने अपने बयान में कहा, 'फिल्म अद्भुत है। फिल्म को बोलने दीजिए। ज्यादा बात नहीं करना चाहता। आप सभी को धन्यवाद।'

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म गदर-2 की सक्सेस से हैरान हैं नसीरुद्दीन शाह

नसीरुद्दीन शाह पॉपुलर एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया है। वहीं वह हमेशा बेबाक राय के लिए भी जाने जाते हैं। अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने गदर 2 की सक्सेस को लेकर चौंकाने वाला बयान कह दिया है। एक्टर इन दिनों अपनी फिल्म मैन वुमन मैन वुमन का प्रमोशन कर रहे हैं। नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में मीडिया को एक इंटरव्यू दिया है। नसीरुद्दीन ने बॉलीवुड में फिल्म मेकिंग के बदलते ट्रेंड पर खुलकर अपनी बात रखी। एक्टर ने कहा कि फिल्में जितनी ज्यादा कट्टरपंथियों वाली बनाई जाती हैं, उतनी ही हिट होती हैं। एक्टर ने कहा, अपने देश से प्यार करना और इसका ढोल पीटना काफी नहीं होता है। एक्टर ने फिल्ममेकर्स और स्टार्स पर हमला करते हुए कहा कि इन लोगों को यह एहसास नहीं है कि वे जो कर रहे है वह बहुत नुकसानदायक होने वाला है। गदर-2 और द केरल स्टोरी के हिट होने को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि उन्होंने ऐसी एक भी फिल्में नहीं देखी हैं, लेकिन उन्हें यह परेशान करने वाला लगता है। इन फालतू फिल्मों को भारी सफलता मिल रही है। जबकि फिल्म मेकर सुधीर मिश्रा, अनुभव सिन्हा और हंसल मेहता को ऑडियंस ही नहीं मिलती है। एक्टर ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि ये सब लोग आने वाली जनरेशन के लिए जिम्मेदार होंगे। सौ साल बाद जब लोग भीड़ और गदर-2 देखेंगे और देखेंगे कि कौन सा हमारे समय की सच्चाई को चित्रित करता है, क्योंकि फिल्म ही एकमात्र जरिया है जो ऐसा कर पाएगी। एक्टर ने कहा कि जो कुछ अभी हो रहा है उसके लिए रिग्रेसिव एक छोटा शब्द है, यह भयावह है। फिल्म मेकर्स को ऐसी फिल्में बनाने में शामिल किया जा रहा है, जो सभी गलत चीजों को बढ़ावा दे रहा है।

चाची नंबर-1 का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

भोजपुरी फिल्म चाची नंबर 1 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसमें भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने चेहरे यश कुमार महिला के लुक में नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि यश भी गोविंदा और कमल हसन के नक्शे कदम पर है। क्योंकि इससे पहले गोविंदा फिल्म आंटी नंबर वन और कमल हसन चाची 420 में ऐसा कर चुके हैं। फिल्म के ट्रेलर ने रिलीज होते ही हर तरफ गदर काट दिया है, क्योंकि एक्टर को फिल्म में औरत के किरदार में देखकर फैंस क्रेजी हो गए हैं। यश ने कहा कि उन्होंने गोविंदा और कमल हासन जैसे सितारों से प्रेरणा ली है।

इस फिल्म में यश कुमार चाची की भूमिका में नजर आ रहे हैं जो अपनी बेटी के लिए अपने ससुर के घर में नौकरानी बनकर रहते हैं। ट्रेलर देखकर फिल्म की कहानी का अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसी हो और क्या थीम होगी? बता दें कि फिल्म की कहानी एक तलाकशुदा मां बाप की है, जिसमें पिता अपनी बेटी के बिना नहीं रह सकता है। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत होती है जिसमें यश कुमार और फिल्म की भोजपुरी एक्ट्रेस रक्षा गुप्ता के बीच तलाक से जहां तलाक के बाद उनके बच्चे की कस्टडी मां को मिल जाती है। यही से कहानी अपने पूरे अंदाज में चलती है।

भोजपुरी | मसाला

यश कुमार एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फिल्म चाची नंबर 1 का ट्रेलर इंटर10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है।

फिल्म का ट्रेलर 4 मिनट और 57 सेकंड का है जोकि बेहद रोमांचक और कॉमेडी वाला है। फिल्म का निर्माण यश कुमार इंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा के बैनर से हुआ है। उन्होंने कहा, समाज की इस बुराई को फिल्म के जरिए मनोरंजन के माध्यम से प्रमुखता से उठाया है हमने। मुझे लगता है कि यह फिल्म जरूर सबको पसंद आएगी और वह इससे सबक भी लेंगे। फिल्म चाची नंबर-1 के डायरेक्टर संजय श्रीवास्तव हैं। फिल्म में यश के अलावा इस फिल्म में रक्षा गुप्ता फीमेल लीड हैं। वहीं अमित शुक्ला, मनोज टाइगर, सीपी भट्ट, राधे कुमार, लोटा तिवारी, चंदन कश्यप, नौशाद शेख और चाइल्ड एक्टर के रूप में दीक्षा फिल्म में दिखाई देंगे।

दुनिया का सबसे महंगा सिक्का, कीमत इतनी कि गाड़ी-बंगला सब आ जाए

एक सिक्के की कीमत क्या हो सकती है? 100,200, 1000 या फिर 100000। जी नहीं, ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक ऐसा सिक्का जारी किया है, जिसे दुनिया का सबसे महंगा सिक्का बताया जा रहा है। इसकी कीमत इनती ज्यादा है कि सिर्फ एक सिक्के में ही गाड़ी-बंगला सब खरीदा जा सकता है। इसे 3.6 किलो सोने से बनाया गया है और 6 हजार 400 हीरे भी जड़े हुए हैं। कंपनी ने इसे 'द क्राउन कॉइन' नाम दिया है। आप सोच रहे होंगे कि इसकी जरूरत क्यों पडी तो बता दें कि क्वीन एलिजाबेथ-द्वितीय की पुण्यतिथि यानी डेथ एनिवर्सिरी पर इसे जारी किया गया है। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए इसे लाया गया है। इस सिक्के का व्यास 9.6 इंच और इसकी कीमत 192 करोड़ रुपए बताई गई है। यह पैसा इतना ज्यादा है कि अगर रुपये में इसे रखा जाए तो अच्छा खासा घर भर जाएगा। इससे पहले 'डबल ईगल' नाम का सिक्का जारी किया गया था, जिसकी कीमत 163 करोड़ रुपए आंकी गई थी। इसे ऑगस्टस सेंट गॉडंस ने 1933 में डिजाइन किया था। तब इसकी खूब चर्चा हुई थी। इसके पीछे एक और दिलचस्प कहानी है। ये सिक्का किसी अंग्रेज ने नहीं बल्कि एक भारतीय ने बनवाया है। दरअसल, जिस ईस्ट इंडिया कंपनी ने कभी भारत पर राज किया, आज उसके सीईओ भारतीय मूल के संजीव मेहता हैं। उन्हीं की देखरेख में कंपनी ने ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि देने के लिए ये सिक्का जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे बनाने में करीब 16 महीने का समय लगा। भारत, जर्मनी, ब्रिटेन, सिंगापुर और श्रीलंका के कारीगर इस काम में लगे हुए थे। सिक्के के किनारों पर महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय के कोट्स लिखे हैं। पहला कोट है-उम्र के साथ अनुभव आता है और अगर इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह एक गुण हो सकता है। दूसरा, अपने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर हम एक साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हो सकते हैं। यह सिक्का इसलिए भी यादगार है क्योंकि कोई दूसरा ऐसा सिक्का आज तक नहीं बना है।

अजब-गजब | यहां हो रही अजीब प्रतियोगिता

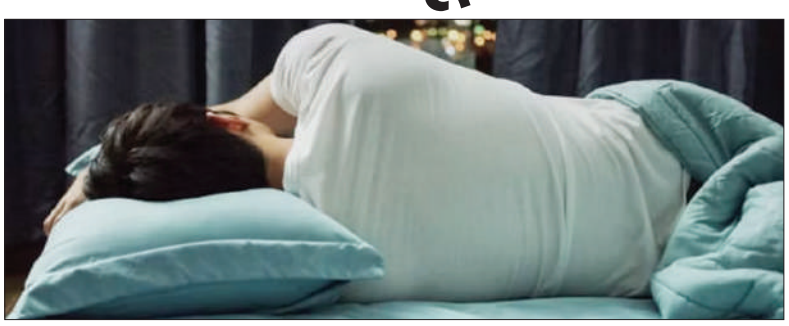

20 दिन से बिस्तर पर लेटे हैं प्रतिभागी आलसी नं.1 को मिलेगा 1,000 यूरो का इनाम

आलस्य मनुष्य का मूल स्वभाव है। इस मशीनी युग में जहां हर छोटा बड़ा काम बिना हाथ पैर हिलाए मशीनों और तकनीक के चलते आसान हो गया है। ऐसे में इंसान न केवल आलसी हुआ है, बल्कि उसके काम को टालने की प्रवति बढ़ी है। कई बार आलसी होना नुकसान का कारण बनता है, लेकिन कैसा हो आप जितने बड़े आलसी हों आपको उतना बड़ा इनाम मिले। जी हां यह कोई कहानी किस्सा या कल्पना नहीं है, बल्कि हम आपको एक ऐसी प्रतियोगिता के बारे में बता रहे हैं, जिसमें मिलने वाले खिताब का नाम ही सबसे आलसी नागरिक है। जाहिर है मिलने वाले इनाम के नाम से आप पहचान ही गए होंगे कि आलसी होना कितना फायदेमंद है। आइए जानते हैं कि इस रोचक प्रतियोगिता के बारे में...

उत्तरी मोंटेनेग्रो के रिसॉर्ट गांव ब्रेजना में इस अजीबोगरीब प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सबसे आलसी नागरिक का प्रतिष्ठित खिताब पाने के लिए कई प्रतियोगियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया है। सबसे आलसी इंसान को .1070 (1,000 यूरो) पुरस्कार के तौर पर दिया जाएगा। सात प्रतियोगी 20 दिनों से एक चटाई पर लेटे हुए हैं और दिन गिन रहे हैं। इन्होंने बीते साल के 117 घंटे के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है और इसके बावजूद इनाम पाने के लिए दृढ़ हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 23 वर्षीय फिलिप कनेजेविक का कहना है कि वह जीतेंगे। फिलिप का कहना है कि हमारे पास यहां सब कुछ है जिसकी हमें जरूरत है। लोगों की शानदार मौजूदगी है और तेजी से समय बीतता है। सिर्फ उठना-बैठना नियमों का उल्लंघन है। उदाहरण के तौर पर खड़ा होना। लेकिन उन्हें हर आठ घंटे में 10 मिनट का बाथरूम ब्रेक दिया जाता है।

प्रतियोगियों को खाने, पीने, पढ़ने, फोन और लैपटॉप का इस्तेमाल करने की इजाजत है, लेकिन उन्हें यह सब काम लेटकर ही करना होगा। प्रतिभागी लेज़ीएस्ट सिटीजन प्रतियोगिता के 12वें संस्करण में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के आयोजक और मालिक रेडोंजा ब्लागोजेविक ने बताया कि प्रतियोगिता की 12 साल पहले शुरुआत हुई थी। इस मिथक को तोड़ने के लिए इसका आयोजन किया गया था कि मोंटेनिग्रो के लोग आलसी हैं। उनका कहना है कि यह प्रतियोगिता 21 लोगों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन अब सिर्फ सात लोग बचे हैं।

केंद्र का फैसला बागवानों के साथ अन्याय : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पंडोह (मंडी)। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार बागवानों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से आयात होने वाले सेब पर आयात शुल्क 35 से घटाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय मोदी सरकार ने लिया है। यह प्रदेश के बागवानों के साथ अन्याय है। अब अमेरिका का सेब सस्ता मिलेगा और हिमाचल का सेब महंगा हो जाएगा। इससे यहां के सेब की खरीद भी कम हो जाएगी।

बोलीं- सेब पर आयात शुल्क घटाना अनुचित

प्रियंका ने केंद्र सरकार से इस शुल्क को दोबारा बढ़ाने की मांग उठाई है। वह मंडी जिला के द्रंग विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले आपदा प्रभावित देवरी गांव का दौरा करने बाद पत्रकारों से प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। प्रियंका ने कहा कि हिमाचल में उनका घर है और वह यहां अपनों का दुख बांटने आई हैं। उधर, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 10 हजार करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है, जहां जीडीपी का लगभग 14 प्रतिशत सेब बागानों से आता है।

आज वहां के लोगों को मदद की जरूरत है, लेकिन पीएम मोदी वाशिंगटन सेब पर आयात शुल्क कम करके पांच लाख से अधिक बागवानों के साथ अन्याय कर रहे हैं। जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे तो कहते थे कि हिमाचल उनका दूसरा घर है और वाशिंगटन सेब पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। लेकिन जब वे पीएम बने तो रिपोर्टों के मुताबिक जी20 के दौरान केंद्र सरकार ने फैसला लिया कि वाशिंगटन के सेब पर केवल 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा, जो कभी 70 प्रतिशत था।

हिमाचल में राष्ट्रीय आपदा घोषित हो

प्रदेश सरकार प्रभावितों की हरसंभव मदद कर रही है। सड़कों, हाईवे और फोरलेन का नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करना केंद्र सरकार का दायित्व है। केंद्र सरकार भी प्रदेश को आर्थिक मदद मुहैया करवाए और इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे। इससे काफी राहत मिलेगी। कई चीजें जिन्हें केंद्र सरकार कर सकती है और आपदा की घड़ी में केंद्र सरकार को आगे आना चाहिए। इसके लिए अपील भी की गई है। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री से आग्रह है कि आपदा के समय प्रदेश के साथ राजनीति न करें। उनके साथ मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी और अन्य मौजूद रहे।

अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क घटाने से महबूबा और फारूख भी नाराज

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूख अब्दुल्ला व पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी इस फैसले की आलोचना की है। फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में नहीं सोचा। अमेरिका को खुश करने के लिए केंद्र सरकार स्थानीय उत्पादकों को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि वह ऐसा कोई कदम न उठाए जिससे यहां पहले से मौजूद गरीबी और बढ़ जाए और हम एक और संकट में फंस जाएं। अगर उन्होंने लोगों के लिए इसे आसान नहीं बनाया तो हम सड़क पर उतरेंगे और विरोध करेंगे। महबूबा मुफ्ती ने हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में प्रचुर मात्रा में अच्छी

गुणवत्ता वाले सेब उत्पादित होते हैं। सरकार अब भी सेब का आयात क्यों करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार का मेक इन इंडिया एक मजाक प्रतीत होता है। आयात शुल्क घटाए जाने से कश्मीर की बागवानी पर बुरा असर पड़ेगा।

प्रियंका गांधी को दो महीने बाद हिमाचल की याद आई : बलवीर

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और विधायक बलवीर वर्मा और विवेक शर्मा ने कहा है कि शुक्र है कि कांग्रेस का कोई बड़ा नेता हिमाचल की सुध लेने तो आए। उन्होंने कहा कि भारी बरसात से हिमाचल प्रदेश में बड़ा नुकसान हुआ है। दो महीने बाद कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी को समय तो मिला कि वह हिमाचल आएं, इसके लिए उनका वह धन्यवाद करते हैं, पर लगता है कि अभी तक कांग्रेस पार्टी के नेता सनातन धर्म पर हमला करने में व्यस्त थे, इसलिए उनको समय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता पाने के लिए अनेक घोषणाएं कीं। हिमाचल प्रदेश में 22 लाख बहनें 1,500 रुपये प्रति महीना की गारंटी का इंतजार कर रही हैं।

अपने दायित्व से भाग रही सुक्खू सरकार : जयराम

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार को बने नौ महीने हो गए हैं। पहले कांग्रेस सरकार ने छह महीने बजट रोना रोते हुए निकाल दिए। अब आपदा के दौर में केंद्र पर ठीकरा फोड़ बचने की कोशिश कर रही है। यह बात नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस की बस नहीं तो सरकार चलाने का दावा न करे। सरकार आपदा के शोर में अपनी कमजोरी छिपाने के लिए केंद्र पर ठीकरा फोड़ रही है। जयराम ने कहा कि केंद्र सरकार आपदा के दौर में प्रदेश की हरसंभव मदद कर रही है। प्रदेश सरकार का यह कहना कि केंद्र से सहयोग नहीं

मिल रहा है गलत बात है। केंद्र सरकार ने आपदा राहत के लिए प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपये भेजे हैं। वहीं राहत एवं बचाव के लिए एनडीआरएफ की टीम के साथ वायु सेना के हेलिकाप्टर राहत सामग्री पहुंचाने के लिए दिन-रात जुटे रहे। जयराम ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर होकर रह गई है।

फोटो :4 पीएम

अमृत कलश यात्रा

भारतीय जनता पार्टी की 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के तहत अमृत कलश यात्रा मंगलवार से प्रारंभ हुई। इसी के तहत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडे के यहां मिट्टी लेने पहुंचे। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थमेगी बारिश की रफ्तार, अब वज्रपात का डर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश भर में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश के दौर के बाद मानसून की सक्रियता में कमी आने के संकेत मंगलवार से ही मिलने लगे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बुधवार से बारिश की तीव्रता व क्षेत्रीय वितरण दोनों में कमी आनी शुरू हो जाएगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक प्रदेश में बारिश धीरे-धीरे घटेगी, लेकिन बुंदेलखंड, विंध्यक्षेत्र व मध्यवर्ती इलाकों में अभी वज्रपात के साथ बिजली चमकने के आसार हैं। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में मंगलवार को रिमझिम फुहारें ही पड़ीं। प्रयागराज में 14.8 मिमी, कानपुर नगर में 1.1, बरेली में 2, फुरसतगंज में 1.1 मिमी बरसात रिकॉर्ड की गई। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र,

मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर समेत आसपास के इलाकों में वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। बाढ़ से करीब 8859 लोग प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ की तीन, एसडीआरएफ की दो और पीएसी की तीन टीमें राहत कार्य में जुटी हैं।

प्राकृतिक आपदा से नौ लोगों की मौत

प्रदेश में सोमवार शाम से मंगलवार शाम तक विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से नौ लोगों की मौत हुई है। वज्रपात से मिर्जापुर में तीन और प्रयागराज में दो लोगों की मौत हुई है। सीतापुर में पानी में डूबने और सर्पदंश से एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। अतिवृष्टि से बदायूं और सुल्तानपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि बलिया, बाराबंकी, बदायूं, कन्नौज, लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, मऊ और मेरठ की कुल 17 तहसीलों के 91 गांव बाढ़ग्रस्त है।

लंका फतह कर भारत पहुंचा फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारत बनाम श्रीलंका के बीच मंगलवार को कोलंबो में एशिया कप सुपर-4 मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में भारत ने श्रीलंकाई टीम को उसके ही घर में 41 रन से मात दे दी। इसके साथ ही भारत की एंट्री फाइनल में हो गई है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने तीसरे ओवर में ही पथुम निसांका का विकेट गंवा दिया। निसांका 6 रन बनाकर आउट हुए।

बुमराह ने उन्हें पवेलियन भेजने का काम किया है। इसके बाद बुमराह को विकेट मेंडिस को पवेलियन भेजा। मेंडिस 15 रन बनाकर आउट हुए। दिमुथ

कुरुणारत्ने दो रन बना सकें, और सिराज का शिकार बने। सदीरा कुछ देर तक क्रीज पर टिके लेकिन कुलदीप की घातक गेंदबाजी से नहीं बच पाए। इसके बाद असलंका को भी कुलदीप ने पेवलियन भेजा। इसके बाद कसान दासुन शनाका भी महज 9 रन बनाकर आउट हो गए। धनंजय डिसिल्वा ने 66 गेंद में 41 रन की पारी केली लेकिन जडेजा ने उन्हें कैच आउट कराया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। लेकिन उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। रोहित शर्मा और शुबमन गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई।

रोहित शर्मा बने 10 हजारी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप 2023 सुपर 4 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने वनडे करियर के 10 हजार रन पूरे किए हैं। रोहित ने वनडे क्रिकेट में ये उपलब्धि अपने 241वीं पारी में हासिल की है। इस दौरान उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालांकि, भारत के लिए सबसे तेज 10 हजार रन बनाए। रोहित शर्मा भारत की तरफ से वर्ल्ड क्रिकेट में भी सबसे तेज 10 हजार रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ डाला। अब तेंदुलकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि नंबर वन पर विराट कोहली हैं। जहां रोहित ने 241वीं पारी में ये कारनामा किया वहीं सचिन के नाम 259 पारियों में ये उपलब्धि दर्ज है। कोहली ने महज 205 पारियों में ये कारनामा अपने नाम किया है।

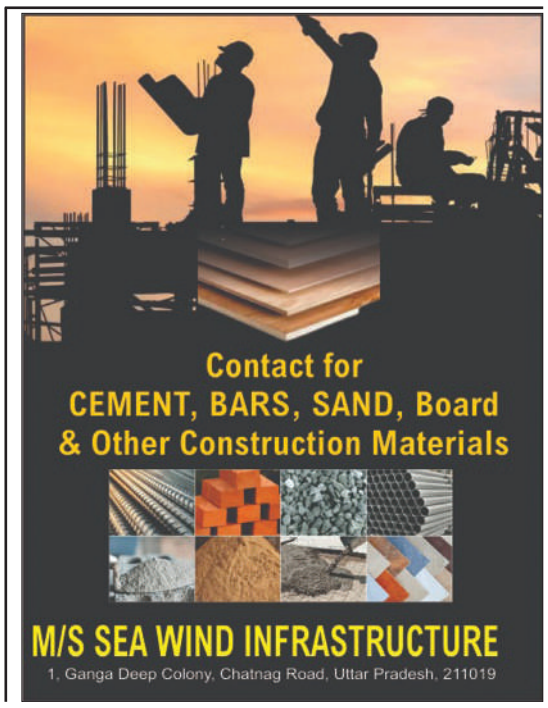

फोटो: सुमित कुमार

बाराबंकी में बाढ़
राहत बचाव कार्य को उतरी एसडीआरएफ की टीम

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। बीते दिनों हुई बारिश बाराबंकी के लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। शहर में सड़कों से लेकर घर की चौखट तक पानी भरा है। इससे लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। एक तरफ लोग जलभराव से जूझ रहे हैं तो दूसरी तरफ पालिका की ओर से पानी निकासी का कोई इंतजाम नहीं है। इससे शहर में रहने वाली आबादी को जलभराव की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। आज सुबह राहत एवं बचाव कार्य के लिए राजधानी लखनऊ से एसडीआरएफ की टीम ने वहां का दौरा किया और स्थानीय लोगों को राहत सामाग्री उपलब्ध कराई।

संसद कर्मियों के नए ड्रेस कोड में कमल की आकृति पर सियासी उबाल

» कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया ओछी रणनीति करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के कर्मचारियों के लिए पुष्प आकृति वाले नए 'ड्रेस कोड को लेकर मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस ने इसे सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव चिह्न को बढ़ावा देने के लिए ''ओछी रणनीति करार दिया।

गौरतलब हो कि लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आंतरिक परिपत्र के अनुसार, मार्शल, सुरक्षा कर्मचारियों और अधिकारियों, चैंबर अटेंडेंट और चालकों को नयी वर्दी जारी की गई है, जिसे नए संसद भवन में कामकाज शुरू होने के बाद उन्हें पहनना होगा। नौकरशाहों के 'बंद गला सूट की जगह मैजेंटा या गहरे गुलाबी रंग की नेहरू जैकेट पहननी होगी. उनके लिए तय की गई कमीज पर पुष्प का डिजाइन छपा होगा, साथ ही कर्मचारी खाकी रंग की पैंट पहनेंगे।

भाजपा संसद को एकपक्षीय मंच बना रही : मणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने संसद के कर्मचारियों की नई वर्दी पर कमल के फूल छपे होने से संबंधित खबरों को लेकर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद को एकपक्षीय मंच बना रही है। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक टैगोर ने यह सवाल भी किया कि राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय पक्षी क्रमशः बाघ एवं मोर के बजाय सिर्फ 'कमल को ही क्यों दर्शाया जा रहा है? उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''सिर्फ कमल ही क्यों? मोर क्यों नहीं या बाघ क्यों नहीं? यह भाजपा पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं है..,ओम बिरला जी, यह गिरावट क्यों?। टैगोर ने कहा, ''संसद के कर्मचारियों की वर्दी पर भाजपा का चुनाव चिह्न है...उन्होंने जी20 में भी ऐसा किया था। अब ये लोग फिर से ऐसा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह राष्ट्रीय पुष्प है।

नफरत का मेगा मॉल सिर्फ सत्ता के लिए है : नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) प्रमुख जेपी नड्डा ने बुधवार को गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला और उन्हें सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार ठहराया। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन, ए राजा ने हाल ही में लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए सनातन धर्म को दोषी ठहराया और कहा कि इसे खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने इसे डेंगू, मलेरिया से भी जोड़ा था। इसके बाद से भाजपा लगातार द्रमुक के साथ साथ इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दूसरे दलों पर भी हमलावर है। हालांकि, भाजपा के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस और गांधी परिवार है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक बार फिर से कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा है।

इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक शाम को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई/नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के लिए बने विपक्षी दलों के इंडिया अलायंस की को-ऑर्डीनेशन समिति की पहली बैठक दिल्ली में होगी। 13 सितंबर को दिल्ली में यह बैठक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के घर पर होगी। इस बैठक में इंडिया के लोगों को तय करने के साथ सीट शेयरिंग पर बात होने की संभावना है।

दिल्ली रवाना होने से पहले मुंबई में उद्धव ठाकरे, संजय राउत एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से उनके सिल्वर ओक आवास पर मिले। तीनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। इस बैठक में महाराष्ट्र एनसीपी के प्रमुख जयंत पाटिल भी मौजूद रहे। दिल्ली की बैठक में 14 दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इसमें लोगो को अंतिम रूप देते हुए जारी करने के साथ सीट समझौते के फॉर्मूले पर चर्चा की उम्मीद की जा रही है। इस बैठक में शरद पवार महाराष्ट्र के सीट शेयरिंग फॉर्मूले का मॉडल टीम के सामने रख सकते हैं। शरद पवार ने महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी का बनाया है। इसमें कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना थी।

राजस्थान में ट्रक ने खड़ी बस को मारी टक्कर, 12 की मौत

» पीएम मोदी ने की अनुग्रह राशि की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक ट्रक ने एक खड़ी बस को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। हादसा आज सुबह करीब साढ़े चार बजे हुआ।

जानकारी के मुताबिक, गुजरात से मथुरा जा रही यात्री बस खराब होने के बाद हाईवे किनारे खड़ी थी। इसे पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे लोग हताहत हो गए। मृतकों में पांच पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं। दुर्घटना के दृश्यों में स्थानीय लोग टक्कर स्थल पर खड़े दिख रहे हैं। जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की मंजूरी दी। प्रधानमंत्री ने भरतपुर में दुर्घटना के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि को मंजूरी दी है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

राजौरी में हुई मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर एक जवान शहीद, एक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकियों के साथ आज हुई मुठभेड़ में दूसरा आतंकी भी मारा गया है। इससे पहले मंगलवार को हुई मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हुआ थाद्ध इस अभियान में एक भारतीय जवान शहीद और तीन घायल हुए हैं, जंगल में सर्च ऑपरेशन में आतंकियों की गोली लगने से सेना का एक डॉग कैंट की भी मौत हो गई है।

जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने बताया कि राजौरी के नारला गांव में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मार गिराया गया, जबकि एक जवान शहीद हो गया तीन सुरक्षाकर्मी घायल भी हैं, जिनमें दो सेना के जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।